<u>नकारात्मकता को दूर करने के लिए, कृपा करके निम्नलिखित जानकारी हमें शेयर करें, जैसा कि ऊपर दिए गए लिंक में बताया गया है:</u>

1. अपने परिवार के सदस्यों के नाम भेजें।
2. अपने परिवार के सदस्यों के वीडियो हमसे शेयर करें। जिसका पूरा शरीर साफ़ दिख रहा है। अलग-अलग वीडियो अलग करें

2. 1. अपना आवासीय पता प्रदान करें।
2. अपने घर के मंदिर या पूजा स्थल की तस्वीरें साझा करें।
3. गाव का घर अगर वहां पहले पितर पूजे जाते थे।

3. 1. दीवार पर लगी अपने पूर्वज या आध्यात्मिक गुरु की तसवीरें साझा करें।
2. तंत्र और सुरक्षा से जुड़ी चीजें, जैसे धागा, तावीज़, या यंत्र, की तस्वीरें साझा करें।

4. 1. कृपया ध्यान दें कि जनवरी में हमें नकारात्मकता साझा करनी चाहिए, क्योंकि समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है।

पीडीएफ की सारी जानकारी वीडियो के लिंक पर उपलब्ध हो सकती है

HTTPS://YOUTU.BE/WTLC8MKRUTA

सिद्धि साधना, कुंडलिनी, दृष्टि, पितृ समस्या, ग्रह दोष, और बहुत कुछ

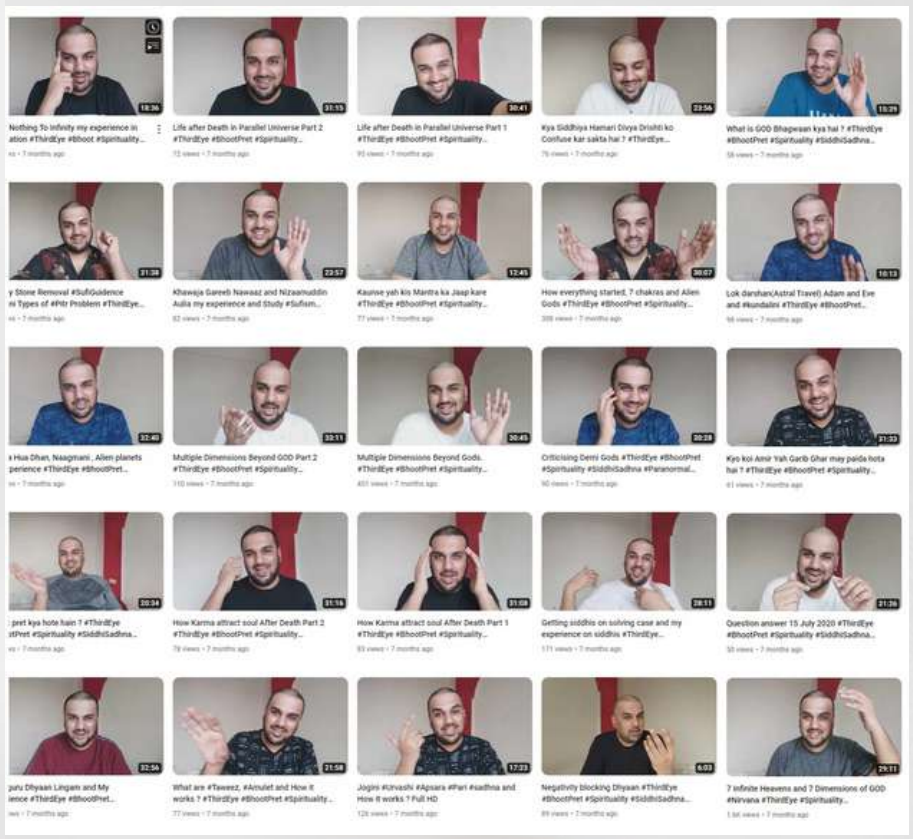

यूट्यूब पर निःशुल्क शिक्षा:

यदि आप कुंडलिनी, दिव्य दृष्टि सिद्धि साधना, नाकारात्मकता के समाधान, पितृ समस्या, गृह दोष आदि से संबंधहित सब कुछ सीखना और समझना चाहते हैं तो सब कुछ पहले से ही यूट्यूब चैनल पर मुफ़्त में उपलब्ध है।

नकारात्मक ऊर्जा, पितृ समस्या और ग्रह दोष के समाधान:

नाकारात्मकता, पितृ समस्य, गृह दोष आदि का उपचार और इलाज हमारे द्वारा निःशुलक प्रदान किया जाता है।

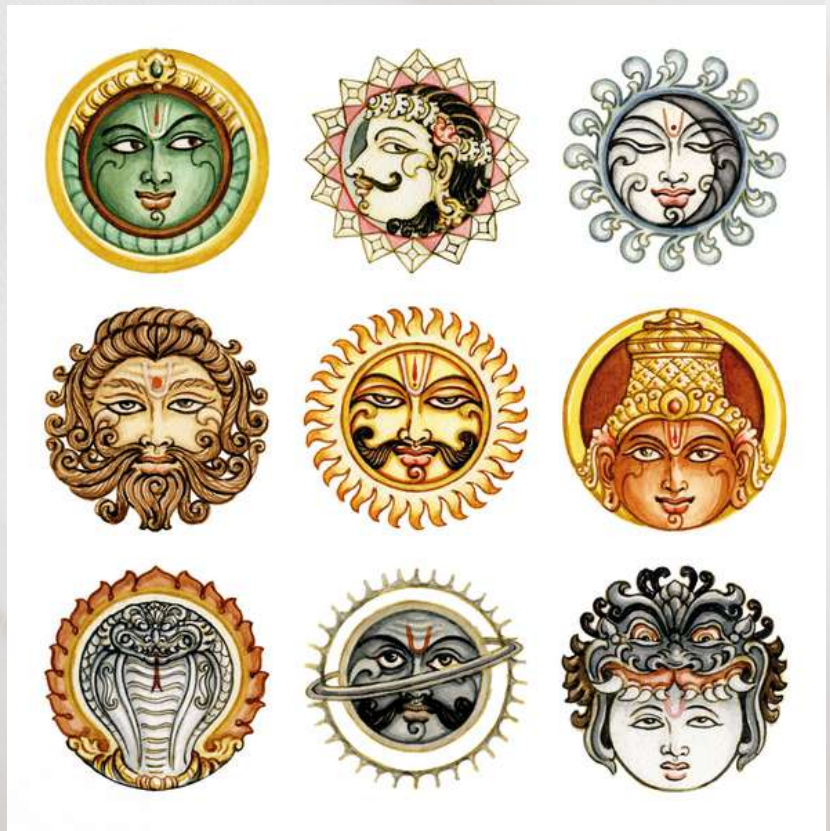

भौतिक लाभ के लिए आध्यात्मिक प्रक्रियाएँ शुरू करना:

आध्यात्मिक और भौतिक लाभ के लिए, दृष्टि, सिद्धि, कुंडलिनी प्रेत, पितृ, ग्रह दोष का इलाज या उपचार कैसे करें, सीखने के लिए ग्रुप में शामिल हों।
ग्रुप जॉइनिंग फीस 6100/-।

सिद्धि साधना, कुंडलिनी, दृष्टि, पितृ समस्या, ग्रह दोष, और बहुत कुछ

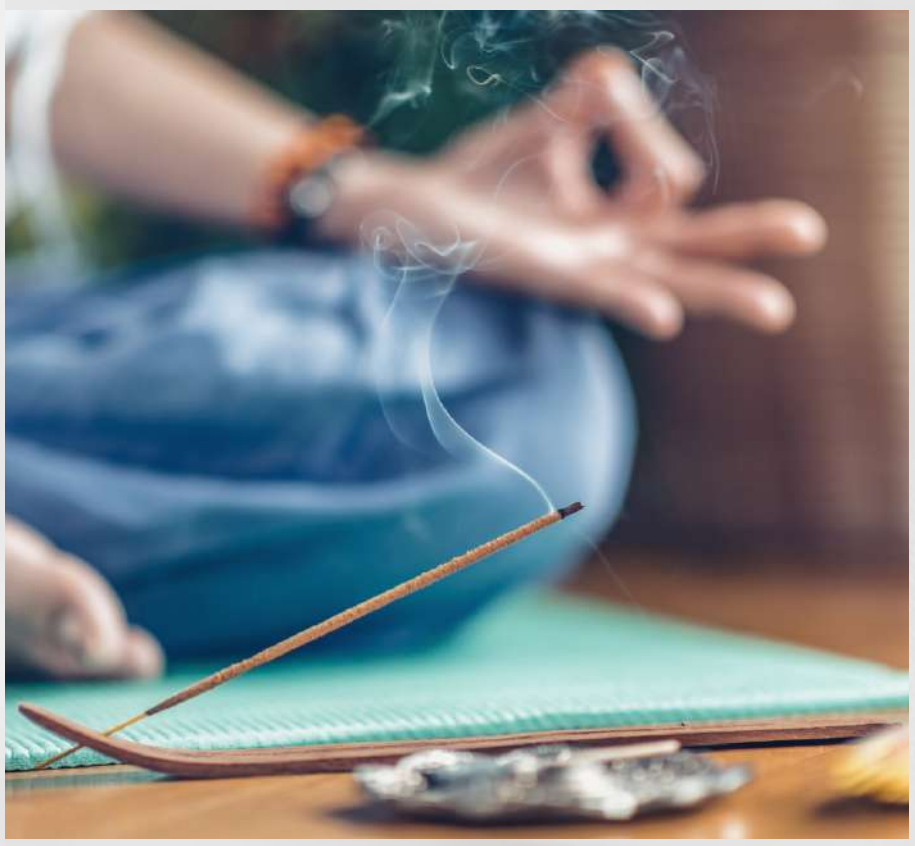

मानसिक जाप और ध्यान:

एक ही मंत्र का दिन भर चलते फिरते बोलकर यह मानसिक जाप करते रहो।
दिन मई 1 से 3 घंटे 2 अगरबत्ती जलकर आसन पर बैठक
उसी मंत्र का मानसिक जाप
ध्यान करे के साथ.

के विकल्प मंत्र:

कोई भी मंत्र का जाप कर सकता है, हमारी सारी सिद्धियों का उपयोग गायत्री मंत्र और सूरह इखलास से जुड़ा हुआ है।

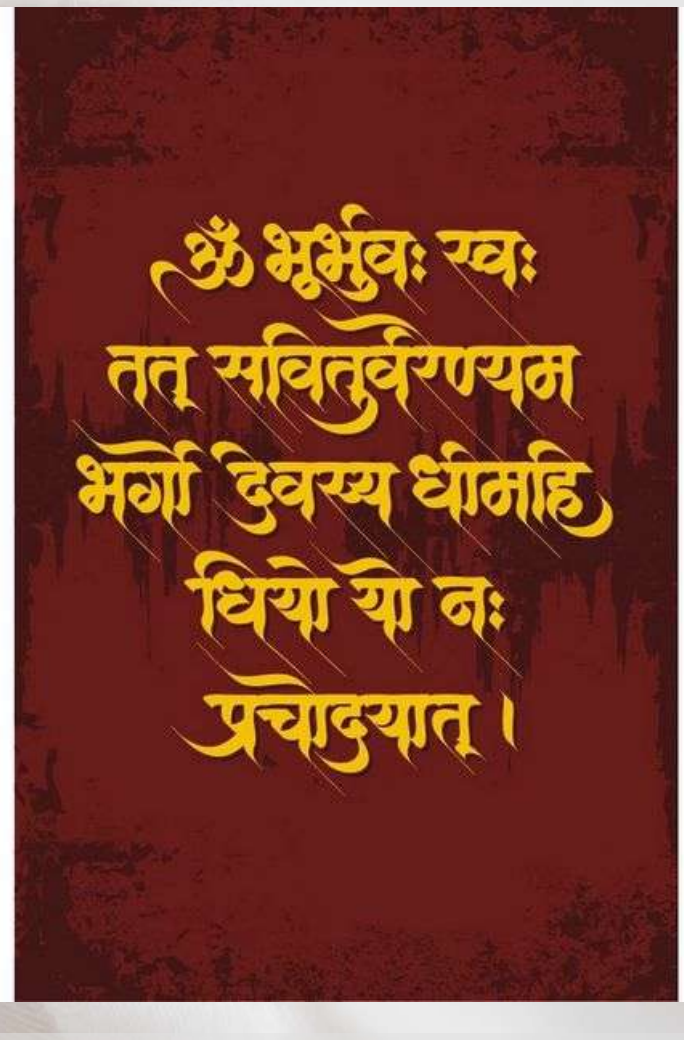

धूप और जड़ी-बूटियों से प्रार्थना:

लोबान, गुग्गल, कपूर, बखूर या अगरबत्ती आदि जलया करो जब जिक्र/जाप/पढ़ाई करने बैठो।
काम से काम 3 घंटे रोजाना आदत डालडो भविष्य के लिए सब काम आसान हो जाएगा।
3 घंटे नहीं कर सकते अपने समय के अनुसार, जितना भी समय बैठे, चाहे बैठ सके।

सिद्धि साधना, कुंडलिनी, दृष्टि, पितृ समस्या, ग्रह दोष, और बहुत कुछ

मानसिक जाप के साथ त्राटक दृष्टि के लिए:

दृष्टि के लिए बिन्दु त्राटक का प्रयोग करें, मानसिक जाप के साथ। आईएसएस से एकाग्रता शक्ति बढ़ती है। क्या साधना से दिव्य दृष्टि खुलती है और व्यक्ति अपने अंतर्मन की गहराईयों को समझ सकता है।

नकारात्मक ऊर्जा, पितृ समस्या और ग्रह दोष के समाधान:

नाकारात्मकता, पितृ समस्य, गृह दोष आदि का उपचार और इलाज हमारे द्वारा निःशुलक प्रदान किया जाता है।

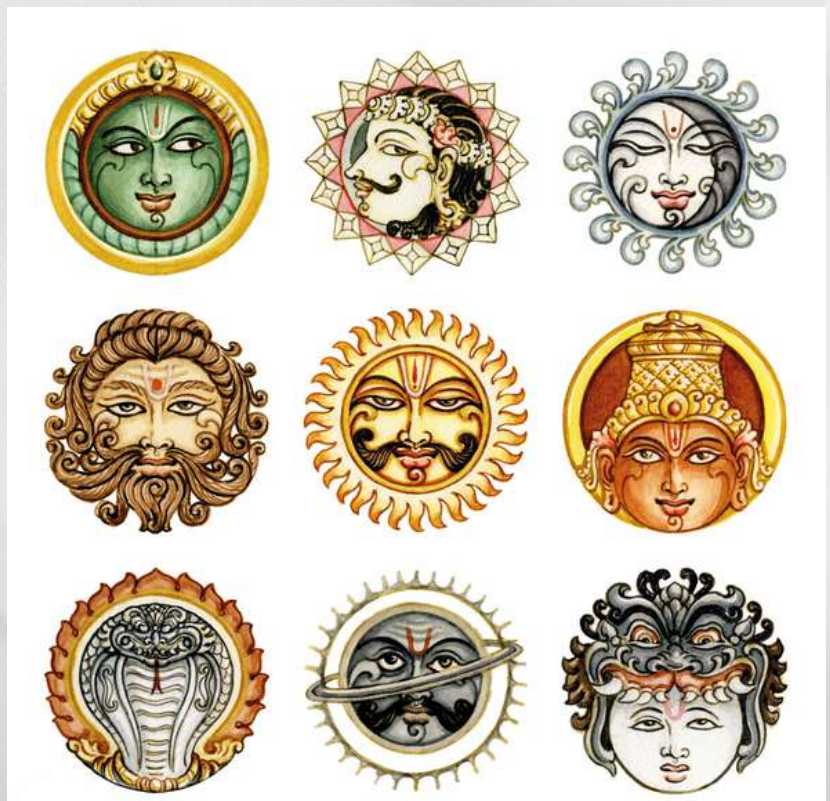

सामग्री बनाम. आध्यात्मिक लाभ:

भोग चढ़ाने से भौतिक लाभ मिलते हैं आध्यात्मिक लाभ नहीं। भोग चढ़ाने से प्रेत पूजा होनी शुरू होती है, प्रेत भोग लेना शुरू
कार्डते हैं और फिर परिवार के सदस्य माई रमना शुरू हो गए हैं
जाते है.

नकारात्मक अनुष्ठानों से बचना:

घर में दीया, धागा, तावीज़, यंत्र, पितृ की फोटो या गुरु को स्थान या किसी और चीज़ को नहीं रखें जो आपकी प्रगति को रोक सके।

इनके संस्कारों को सही तरीके से ना माने से नुक्सान हो सकता है। घर माई या शरीर पर किसी का दिया धागा, तावीज़, यंत्र वाघेरा है और अगर उसके अनुष्ठान का पालन नहीं किया जाता तो उसे उतार कर पानी
मई डाल दे. ये सारी चीज़े ऊर्जा खींचने का काम करती है जिसकी वजह से सार जाप, आभा, शक्ति, ऊर्ज सकारात्मक और नकारात्मक इनमें जमा हो जाती है. जिसकी वजह से आपकी प्रगति नहीं हो पाती और इनकी सिद्धियाँ और शक्तियाँ बनती हैं। ज्यादा शक्तिशाली होंकि वजह से वो और ज्यादा भोगी हो जाती है। और फिर और भोग के लालच में घर वालो की सारी ऊर्जा खींचना शुरू कर देती है। इनके अनुष्ठानों का पालन ना करने पर ये फ़ायदा कम नुक्सान ज़्यादा करती है। इसे बेहतर है या तो निकाल दो या इनके अनुष्ठानों को सही तरह से फॉलो करो।

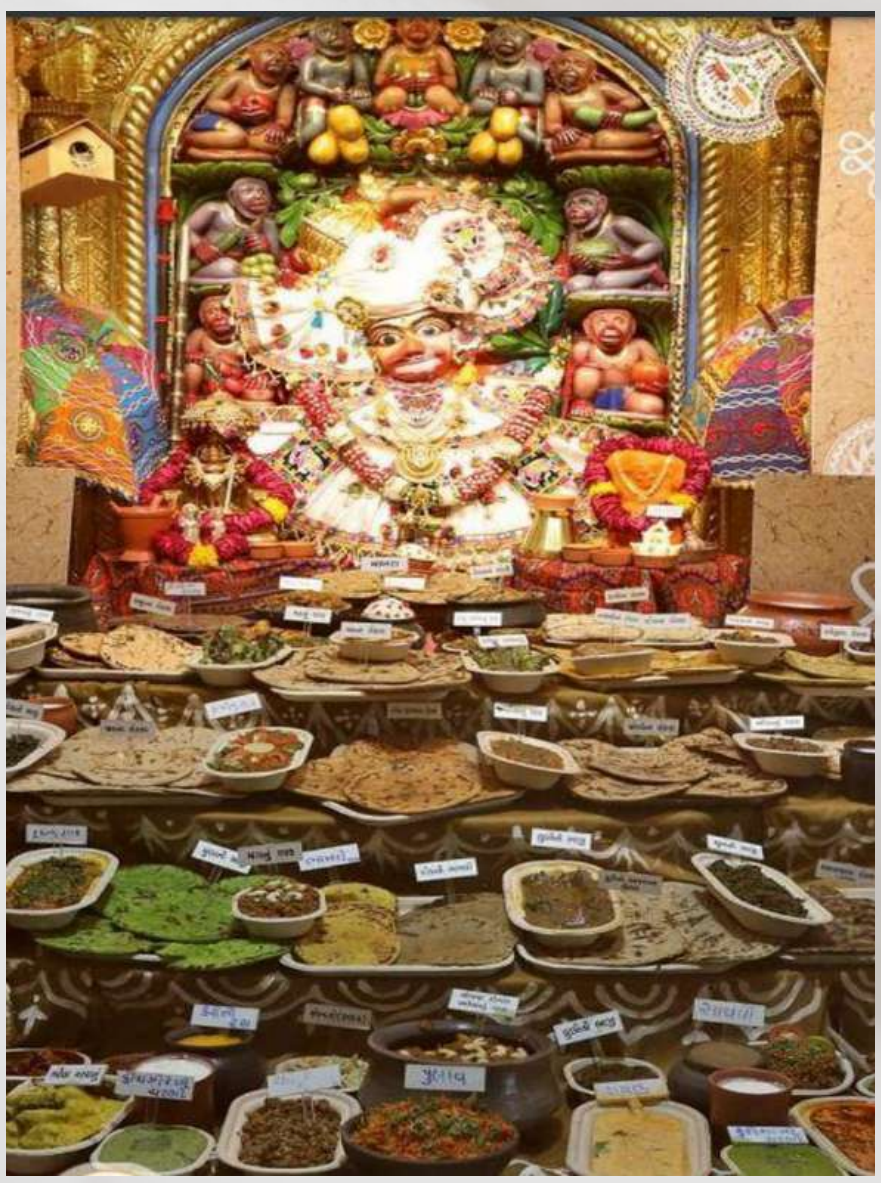

मंदिरों और तीर्थस्थलों को चलाने के लाभ और नुकसान:

सार्वजनिक देवालय, मंदिर, दरगाह आदि पर चढ़ाया जा सकता है, घर में मंदिर या पितृ देवता या गुरु का स्थान नहीं। जो लोग धाम या मंदिर चलाते हैं वो भोग लगाते हैं क्यू के वो सिद्धिया, देवता, दूत, प्रेत आदि का उपयोग करते हैं। इसके फ़ायदे और नुक्सान डोनो है.

आध्यात्मिक उन्नति के लिए नियमित हवन:

इससे अच्छा हवन किया करो रोज़, रोज़ नहीं तो सप्ताह में दो या तीन बार वो भी ना कर सको तो सप्ताह में एक बार या तो काम से काम अमावस्या और पूर्णिमा।
अमावस्या और पूर्णिमा देवताओ और पितृ के लिए है, उन दिनों दान, धरम, पूजा, जाप, हवन आदि, करने से प्रत्यक्ष पितर (पूर्वजों) और
परिवार के नवग्रह और आध्यात्मिक मार्गदर्शकों पर काम होता है।
हवन 1-3 मई सुक्खा नारियल कुछ सूखे मेवे और कुछ मसाले अपने पार से घुमा कर जल दे जब तक वो जल रहा है तब तक जप करे।
हर देवता के अलग-अलग ड्राईफ्रूट और मसाले हैं (इसका अध्ययन करें।) विशिष्ट उद्देश्य के लिए।

हवन सामग्री

- श्रीफल
- छुआरे
- लोबान
- गाय का देशी धी
- बादाम
- काज
- कमलगट्टा
- कीसमीस
- अखरोट
- काले तील
- जो
- गुड
- शहद
- गुगल
- दालचीनी
- हरी इलाइची
- इलाइची बडी
- लोंग
- लाल चंदन
- सफे द चंदन
- जायफल

सिद्धि साधना, कुंडलिनी, दृष्टि, पितृ समस्या, ग्रह दोष, और बहुत कुछ

पितृ दोष समाधान:

पितृ समस्या के लिए हमेशा अपने पितृ माता और पिता दोनों पक्षों के लिए बैथ कर अनपार और भगवान पर ध्यान केंद्रित करके जाप किया करो। हमें वक्त जितनी भी देर बैठो दिया यह अगरबत्ती जला सकता है। पवित्र ग्रंथ पढने से उनको शांति और राह मिलती है।

क्षमा और आशीर्वाद मांगना:

जाप या ध्यान शुरू करने से पहले भगवान से और अपने पूर्वजों से क्षमा और आशीर्वाद मांगें जाप या ध्यान करते समय मुस्कुराहट बनाएं, दुखी चेहरे से ना करें। शमा और आशीर्वाद ज़ुबान से नहीं, दिल से मांगे.

साप्ताहिक आध्यात्मिक अभ्यास: (सबसे महत्वपूर्ण)

मैं हर गुरुवार, शुक्रवार या शनिवार को हवन/रुकिया करता हूं, मुझे अपने परिवार के सदस्यों के नाम और दादा-दादी (पिता और माता दोनों पक्ष) के नाम से अवगत कराता रहता हूं...और प्रत्येक अमावस्या और पूर्णिमा से एक दिन पहले। आईएसआई प्रक्रिया माई 90% केस 1-3 सप्ताह में हल हो जाती है...और ये फ्री है।

पितृ बंधन और पितृ दोषों का समाधान

यदि आप नकारात्मकता होने की वजह से हैं, तो आध्यात्मिक, भौतिक लाभ न होने से परेशान हैं। शरीर में दर्द और बीमारी के सारे टेस्ट करने के बाद भी लक्षण पता नहीं लगते। काम 99% होकर फेल हो जाना शादी यह बच्चे होने के कारण समस्या, घर के युवाओं को शराब, पोर्न, ट्रेडिंग या जुए की लत, गुस्सा करना और बात ना मान ना घर की महिलाओं को शरीर में दर्द नबी के नीच दर्द होना आदि।

और अगर आप अपने पिता या गुरु की फोटो घर में लगाते हैं, दिया अगरबत्ती और भोग लगाते हैं तो उसे बंद कर दें और वह फोटो घर से निकल दे 3 दिन में आपको आराम पूछना शुरू हो जाएगा।

इसे बेहतर है उनके नाम से पवित्र ग्रंथ जैसे विष्णु और शिव पुराण, दुर्गा सप्तशती, कुरान, श्री गुरु ग्रंथ साहेब ये पढ़े उनको शांति और राह मिलती है वो मालिन हालत से साफ होकर सफेद और स्वर्ण रूप में आकर पितृ लोक चले जाते हैं। और वहां से आपका आशीर्वाद मिलता है।जिससे आपका आध्यात्मिक और भौतिक जीवन हजार गुना ज्यादा तेज होता है।

इसके बारे में मैं और विस्तार से जाना चाहता हूं तो हमारे चैनल पर वीडियो उपलब्ध है, जिसका आईएसपी विवरण मेरे बारे में बताता है।

रूहानी करीम
HTTPS://WWW.YOUTUBE.COM/@SPIRITUALKARIM

किसी बीमारी से पीड़ित परिवार के सदस्य को ठीक करने के लिए अनुष्ठान।

सामाग्री (सामग्री):

1. एक नारियल (नारियल)

2. कलावा (पवित्र धागा)

3. घमला (बर्तन)

4. अगरबत्ती

5. गंगाजल (पवित्र जल)

6. घी (स्पष्ट मक्खन)

7. दूध

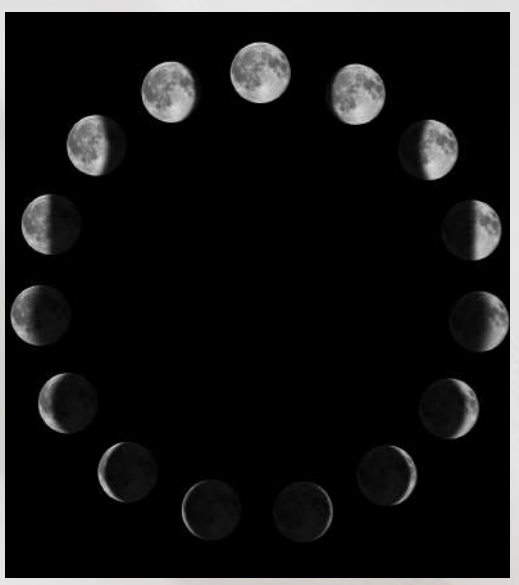

Youtube Video Link For Instructions : https://youtu.be/0ZLqmlwz_14

1. सबसे पहले, एक नारियल लेना है और उसे कलावे से 7 बार बांधना है। हर बार एक घाट (गांठ) बांधना है, जिसमें कुल 7 घाट (गांठ) हैं।

2. हमें नारील को पहले 7 बार परिवार के सदस्य को घूमना है, 7 बार दक्षिणावर्त और 7 बार वामावर्त।

3. अब उस नारियल को एक गमले या बर्तन में डाल देना है, जैसे कोई पौधा लगा दिया हो।

4. दैनिक अनुष्ठानों का अभ्यास करें, सुबह और शाम को पूजा के समय, उस बर्तन पर दो अगरबत्ती जलाना है।

5. उसी समय, दिन माई दो बार, एक गिलास पानी में कुछ-कुछ बूंद गंगाजल मिलाके उस बर्तन में दाल देना है। इस प्रयास के दौरन आप प्रार्थना करेंगे कि करीम भाई की धन्वंतरि, अश्विन और श्रुशुत भगवान की सिद्धि हमारे (रोगी का नाम और रिश्ता) की सारी बीमारी, दर्द और तकलीफ को इस स्थान पर भेज दे और उनको ठीक करें।

6. इसके बाद, जो भी मंत्र का आप रोज जाप करते हैं उसकी 3 माला धन्वंतरि, अश्विन और श्रुशुत भगवान के नाम पर जाप समर्पित करें।

7. अगर कोई करणवर्ष किसी दिन आप भूल जाते हैं या किसी काम में व्यस्त रहते हैं, तो पहले शमा मांग लें, और फिर उस दिन किसी दूसरे समय या तारीख पर हमें प्रयास पूरा करें।

8. अमावस्या और पूर्णिमा के दिन, एक छोटा कप दूध में एक छम्मच गंगाजल और एक छम्मच घी मिलाके हमें पौधे माई डाल दे।

9. इसके अलावा, कोई भी समय, कोई भी परेशानी के समय, आप मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

Youtube Video Link For Instructions : https://youtu.be/0ZLqmlwz_14

महत्वपूर्ण (सबसे महत्वपूर्ण): हर गुरुवार, शुक्रवार, और शनिवार को, हम हवन या रुक्याह करते हैं। आप मुझे अपने परिवार के सदस्यों के नाम और दादा-दादियों के नाम भेजिए (माता-पिता की तरफ से दोनों)। एक दिन पहले, अमावस्या और पूर्णिमा के दिन, मुझे अपडेट करते रहें। बाकी सबका ध्यान मैं रखूंगा।

ये प्रयास एक ऐसी विधि है जिसमें आपके परिवार के दुख-दर्द को एक नए स्थान (पौधा) में ट्रांसफर किया जाता है, जहां धन्वंतरि, अश्विन और श्रुशुत भगवान की सिद्धियां उनकी हीलिंग माई मदद करती हैं।

इस प्रयास के दौरन अगर आपको अलग-अलग रूप मिलता है, और विभिन्न देवताओं की लड़ाई जैसा कुछ दिखे, तो डरने की कोई जरूरी नहीं। ये आपका खुद का प्रयास है और आप अपनी विधि को समझ रहे हैं।

महत्वपूर्ण लेख

यदि आप भी ये सिखाना चाहते हैं कि आध्यात्मिक और भौतिक लाभ के लिए सिद्धियों को कैसे उपयोग करें, दिव्य दृष्टि, सिद्धि साधना, कुंडलिनी जागरण, प्रेत, पितृ, ग्रह दोष का इलाज या उपचार कैसे करते हैं। टी कुछ जो आपको आध्यात्मिक और भौतिक लाभ माई मदद कर सकता है और आपका भविष्य माई ये काम सिख कर अपनो और दूसरे की मदद करना चाहता है तो ये सब सीखने के लिए टेलीग्राम ग्रुप जॉइन करे.
समूह में शामिल होने का शुल्क रु 6100/- 10 महीने के लिए एकमुश्त भुगतान।

Youtube Video Link For Instructions : https://youtu.be/0ZLqmlwz_14